

बिहार गजट

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

27 भाद्र 1935 (श0)

संख्या ३८ पटना, बुधवार,

18 सितम्बर 2013 (ई0)

विषय-सूची पुष्ठ पुष्ठ भाग-1—नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी भाग-5—बिहार विधान मंडल में पुर:स्थापित 2-2 और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं। विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर भाग-1-क—स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान आदेश। मंडल में पुर:स्थापन के पूर्व प्रकाशित भाग-1-ख—मैट्रीकुलेशन, आई०ए०, आई०एससी०, विधेयक। बी0ए0. बी0एससी0, एम०ए०. भाग-7-संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की एम०एससी०. लॉ भाग-१ और ज्येष्ठ अनुमति मिल चुकी है। एम0बी0बी0एस0, बी0एस0ई0, डीप0-इन-एड0, एम0एस0 और मुख्तारी परीक्षाओं के भाग-8—भारत की संसद में प्रःस्थापित विधेयक, परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के आदि। प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में भाग-1-ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि प्रःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक। भाग-2—बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा भाग-9—विज्ञापन निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं 3-3 और नियम आदि। भाग-9-क—वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं भाग-3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और भाग-९-ख—निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, और सर्वसाधारण उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं न्यायालय सूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य सूचनाएं इत्यादि। गजटों के उद्धरण। पूरक भाग-4-बिहार अधिनियम 4-5 पूरक-क

भाग-1

नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य वैयक्तिक सूचनाएं

वाणिज्य-कर विभाग

अधिसूचनाएं 16 अगस्त 2013

सं० 6/गो0-34-12/2007-2946/वा0-कर-बिहार वित्त सेवा के वाणिज्य-कर संयुक्त आयुक्त श्री प्रकाश चन्द्र वर्मा, तिरहुत एवं सारण प्रमंडल, मुजफ्फरपुर को अपने कार्यो के अतिरिक्त वाणिज्य-कर संयुक्त आयुक्त (अपील), पूर्णियाँ प्रमंडल, पूर्णियाँ एवं वाणिज्य-कर संयुक्त आयुक्त (अपील), भागलपुर प्रमंडल, भागलपुर का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

- 2. यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।
- प्रस्ताव पर माननीय मुख्य (विभागीय) मंत्री का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से, जगत नारायण प्रसाद, अवर सचिव ।

10 सितम्बर 2013

सं० 6/प्रो0-06-09/2012-3267/वा०कर-सी०डब्लू०जे०सी० संख्या-18635/2009 कृष्ण कान्त गुप्ता बनाम बिहार राज्य एवं अन्य तथा एल०पी०ए० संख्या-1561/2010 बिहार राज्य एवं अन्य बनाम कृष्ण कान्त गुप्ता में माननीय पटना उच्च न्यायालय द्वारा क्रमशः दिनांक 09.04.2010 एवं 18.07.2011 को पारित न्यायादेश के आलोक में श्री कृष्ण कान्त गुप्ता, वाणिज्य-कर सहायक आयुक्त, पटना उत्तरी अंचल, पटना को दिनांक 25.02.2010 के प्रभाव से वाणिज्य-कर उपायुक्त कोटि वेतनमान (15600-39100+ग्रेड पे 7600 रू०) के पद पर तदर्थ प्रोन्नित प्रदान की जाती है।

सं० 6/प्रो0-06-09/2012-3268/वा०कर-सी०डब्लू०जे०सी० संख्या-7477/2012 प्रभाकर प्रसाद सिंह बनाम बिहार राज्य एवं अन्य में माननीय पटना उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 15.05.2012 को पारित न्यायादेश के आलोक में श्री प्रभाकर प्रसाद सिंह, वाणिज्य-कर पदाधिकारी, जमुई अंचल, जमुई को दिनांक 18.07.2001 के प्रभाव से वेतनमान 15600-39100+ग्रेड पे 6600 रू० में प्रथम सुनिश्चित वृत्ति योजना (ए०सी०पी०) प्रदान की जाती है।

संo 6/प्रो0-06-09/2012-3271 वां०कर-सी०डब्लू०जे०सी० संख्या-22212/2011 श्रीनारायण प्रसाद सिंह एवं अन्य बनाम बिहार राज्य एवं अन्य में माननीय पटना उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.01.2012 को पारित न्यायादेश के आलोक में श्री सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, वाणिज्य-कर उपायुक्त, अंकेक्षण कार्यालय, मगध प्रमंडल, गया को दिनांक 22.12.2011 के प्रभाव से वाणिज्य-कर संयुक्त आयुक्त कोटि वेतनमान (37400-67000+ग्रेड पे 8700 रू०) के पद पर प्रोन्नित प्रदान की जाती है।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से, अशोक कुमार सिन्हा, अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित। बिहार गजट, 26—571+20-डीOटीOपीO। Website: http://egazette.bih.nic.in

भाग-2

बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।

वाणिज्य-कर विभाग

शुद्धि—पत्र 11 सितम्बर 2013

सं० 6/प्रो0-06-09/2012-3285—वाणिज्य-कर विभाग, बिहार, पटना के अधिसूचना संख्या 3271 दिनांक 10.09. 2013 में आंशिक संशोधन करते हुये कहना है कि श्री सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, वाणिज्य-कर उपायुक्त, अंकेक्षण कार्यालय, मगध प्रमंडल, गया के स्थान पर श्री सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, वाणिज्य-कर उपायुक्त, समेकित जाँच चौकी, कर्मनाशा, भभुआ पढ़ा जाय। इसे इस हद तक संशोधित समझा जाय।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से, अशोक कुमार सिन्हा, अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित। बिहार गजट, 26—571+10-डी0टी0पी0। Website: http://egazette.bih.nic.in

बिहार गजट

का

पूरक(अ0)

प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित

सं० कारा / नि0को०(क) 67 / 12–3819 कारा एवं सुधार सेवाएँ निरीक्षणालय गृह विभाग

संकल्प 29 जुलाई 2013

बिहार कारा सेवा के पदाधिकारी श्री मुस्ताक अंसारी के विरूद्ध मंडल कारा, सीतामढ़ी के अधीक्षक के रूप में पदस्थापन काल में प्रतिवेदित अनियमित्ता, स्वेच्छाचारिता एवं अधिकाई वेतन प्राप्त करने के आरोप के लिए विभागीय अधिसूचना संख्या—5656, दिनांक 26.05.2008 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गई।

- 2. विभागीय कार्यवाही संचालन के उपरान्त जाँच पदाधिकारी से प्राप्त प्रतिवेदन एवं उस पर श्री अंसारी से किये गये द्वितीय कारण पृच्छा में प्राप्त उत्तर की समीक्षा के उपरान्त श्री अंसारी तत्कालीन अधीक्षक, मंडल कारा, सीतामढ़ी के विरूद्ध मुलाकात अविध के उपरान्त कारा में संसीमित खतरनाक बंदी से राज्य के बाहर के व्यक्तियों को कारा के भीतर ले जाकर मुलाकात कराने में अपने विशेषाधिकार का दुरूपयोग करने, जिला प्रशासन के जाँचदल से तथ्य छुपाने तथा कारा अधीक्षक के रूप में उन्हें अनुमान्य वेतनमान 6500—10500 के स्थान पर महालेखाकार बिहार से गलत ढ़ग से 8000—13500 के वेतनमान में वेतनपुर्जा प्राप्त कर अधिक वेतन की निकासी कर सरकारी राशि का गबन करने के आरोप प्रमाणित पाये गये।
- 3. उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए विभागीय अधिसूचना ज्ञापांक—3829, दिनांक 26.08.2010 के द्वारा श्री मुस्ताक अंसारी काराधीक्षक को उनकी तीन वेतनवृद्धियों पर संचयात्मक प्रभाव से रोक लगाने का दण्ड दिया गया। इस दंड से क्षुब्ध होकर श्री अंसारी द्वारा माननीय पटना उच्च न्यायालय में वाद दायर किया गया। सी0डब्लू0जे0सी0 संख्या—14169/2012 मुस्ताक अंसारी बनाम राज्य सरकार एवं अन्य में माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा दिनांक 17.01.2013 को पारित न्याय निर्णय के द्वारा श्री अंसारी को तीन वेतन वृद्धि अवरूद्ध करने के दंड को निरस्त करते हुए इसकी पुनः समीक्षा करने का आदेश पारित किया गया। माननीय उच्च न्यायालय पटना द्वारा पारित उक्त न्याय निर्णय के आलोक में श्री अंसारी के विरूद्ध दिये गये दंड की समीक्षा की गयी।
- 4. समीक्षा में पाया गया कि श्री अंसारी तत्कालीन अधीक्षक, मंडल कारा, सीतामढ़ी के विरूद्ध मुलाकात अविध के उपरान्त कारा में संसीमित खतरनाक बंदी से राज्य के बाहर के व्यक्तियों को कारा के भीतर ले जाकर मुलाकात कराने में अपने विशेषाधिकार का दुरूपयोग करने, जिला प्रशासन के जाँचदल से तथ्य छुपाने तथा कारा अधीक्षक के रूप में उन्हें अनुमान्य वेतनमान 6500—10500 के स्थान पर महालेखाकार बिहार से गलत ढ़ग से 8000—13500 के वेतनमान में वेतनपुर्जा प्राप्त कर अधिक वेतन की निकासी कर सरकारी राशि का गबन करने के आरोप प्रमाणित पाये गये।
- 5. अतः माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा दिनांक 19.01.2013 में CWJC- NO. 14169/2012 में पारित आदेश के आलोक में समीक्षोपरांत पाया गया कि श्री मुस्ताक अंसारी, तत्कालीन अधीक्षक, मंडल कारा, सीतामढ़ी के विरूद्ध विशेषाधिकार का दुरूपयोग, तथ्यों को छुपाने एवं महालेखाकार, कार्यालय से गलत ढंग से अनियमित वेतनपुर्जा प्राप्त कर अधिक वेतन निकासी का आरोप प्रमाणित है।

अतएव श्री मुस्ताक अंसारी, बिहार कारा सेवा पर उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005, के विहित प्रावधानों के अतंर्गत एक वेतन वृद्धि संच्यात्मक प्रभाव से अवरूद्ध करने का दंड अभिरोपित किया जाता है। यह संकल्प पूर्व निर्गत अधिसूचना ज्ञापांक—3829, दिनांक 26.08.2010 से प्रभावी होगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से, (ह0) अस्पष्ट, संयुक्त सचिव-सह-निदेशक, प्रशासन।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित। बिहार गजट, 26—571+10-डी0टी0पी0। Website: http://egazette.bih.nic.in